<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

सांची विश्वविद्यालय को 10 करोड़ की संचित निधि देगी सरकार

साधारण परिषद की बैठक में कर्मचारियों को पेंशन एवं उपादान को भी मंज़ूरी

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की साधरण परिषद की मुख्यमंत्री निवास में हुई बैठक में विश्वविद्यालय से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर निर्माण हेतु आवश्यक राशि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय की संचित निधि के लिए 10 करोड़ रुपए उपलब्ध कराने का भी फैसला किया।

विभिन्न देशों के अध्ययन केन्द्र हेतु विश्वविद्यालय को आवंटित भूमि से लगी अतिरिक्त 20 एकड़ भूमि भी उपलब्ध कराने पर बैठक में सहमति बनी। साधारण परिषद ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए पेंशन एवं उपादान सुविधा देने का भी निर्णय लिया। विवि के गैर अकादमिक सेवकों के लिए सातवें वेतनमान को भी मंजूरी दी गई।

इस बैठक में संस्कृति राज्य मंत्री श्री सुरेंद्र पटवा, माननीय मुख्यमंत्री के अलावा मुख्य सचिव श्री बी पी सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनोज गोविल, आयुक्त एवं पदेन सचिव उच्च शिक्षा श्री अजीत कुमार, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज के चेयरमैन प्रो कपिल कपूर, NCERT के पूर्व अध्यक्ष श्री जे एस राजपूत, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष श्री एस आर भट्ट मौजूद रहे। साधारण परिषद के सदस्यों का परिषद के सदस्य सचिव और सांची विवि के कुलपति आचार्य प्रो यजनेश्वर शास्त्री ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में सांची विवि के कुलसचिव श्री अदिति कुमार त्रिपाठी भी मौजूद थे।

www.univarta.com/news/states/story/1295175.html

UNI BREVITY ACCURACY SPEED

यूनीवार्ता
भारत की अग्रणी संवाद समिति

Tuesday, Jul 24 2018 | Time 11:19 Hrs(IST)

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

होम | समाचार | फोटो | English | Urdu | Reuters | About UNI | Contact us | JOBS | TEN

भारत | दुनिया | खेल | बिजनेस | विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी | फीचर्स | मनोरंजन | राज्य | लोकरुचि | आज का इतिहास

राज्य

Posted at: Jul 20 2018 10:19PM

Share

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित होंगे अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र-शिवराज

भोपाल, 20 जुलाई (वार्ता) प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के निर्मित होने वाले परिसर में अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र की भी स्थापना की जायेगी। प्रारंभिक रूप से श्रीलंका और वियतनाम ने अपने-अपने देशों के अध्ययन केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया।

श्री चौहान की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री निवास पर विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की तीसरी बैठक में यह जानकारी दी गई।

उन्होंने बैठक में चर्चा के दौरान विश्वविद्यालय के अकादमिक संचालन के लिये जरूरी अधोसंरचना के निर्माण का काम अविलंब शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना के उददेश्यों को देखते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप दिया जायेगा। श्री चौहान ने कहा कि यह विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति, ज्ञान और बौद्ध दर्शन के एकीकृत अध्ययन का बड़ा अकादमिक केन्द्र बनेगा। श्री चौहान ने विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रगति और अन्य गतिविधियों के मूल्यांकन और समीक्षा के लिये उच्च स्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिये।

बैठक में बताया गया कि अन्य देशों के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना संबंधी नीति तैयार कर ली गई है। चीनी भाषा का डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2017-18 से प्रारंभ हुआ है। बैठक में निर्णय लिया गया है कि दिसम्बर माह के दूसरे सप्ताह में शाक्य तंत्र विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।

बैठक में संस्कृति राज्यमंत्री सुरेन्द्र पटवा, मुख्य सचिव बी.पी.सिंह, अपर मुख्य सचिव संस्कृति मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री अशोक बर्णवाल और एस.के.मिश्रा, सांची बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर यज्ञेश्वर एस. शास्त्री एवं साधारण परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

नाग
वार्ता

दैनिक जागरण रायसेन 04

भोपाल, 22 जुलाई 2018

बौद्ध यूनिवर्सिटी में अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र भी होंगे स्थापित

जागरण, रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के निर्मित होने वाले परिसर में अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र की भी स्थापना की जायेगी। प्रारंभिक रूप से श्रीलंका और वियतनाम ने अपने-अपने देशों के अध्ययन केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री निवास पर विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की तीसरी बैठक में यह जानकारी दी गई।

श्री चौहान ने बैठक में चर्चा के दौरान विश्वविद्यालय के अकादमिक संचालन के लिये जरूरी अधोसंरचना के निर्माण का काम अविलंब शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना के उददेश्यों को देखते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप दिया जायेगा। श्री चौहान ने कहा कि यह विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति, ज्ञान और बौद्ध दर्शन के एकीकृत अध्ययन का बड़ा अकादमिक केन्द्र बनेगा। श्री चौहान ने विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रगति और अन्य गतिविधियों के मूल्यांकन और समीक्षा के लिये उच्च स्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि अन्य देशों के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना संबंधी नीति तैयार कर ली गई है। चीनी भाषा का डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2017-18 से प्रारंभ हुआ है।

Secure | https://punjabkesari.com/country/madhya-pradesh/sanchi-university-will-be-set-up-in-foreign-studies-center/

20 YEARS BRILLIANT MOMENTS
Celebrating 20 Years
Of Brilliant Moments
Participate Now ›

सांची विवि में स्थापित होंगे विदेशी अध्ययन केन्द्र

Publish on July 21, 2018

भोपाल : सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के निर्मित होने वाले परिसर में अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र की भी स्थापना की जायेगी। प्रारंभिक रुप से श्रीलंका और वियतनाम ने अपने-अपने देशों के अध्ययन केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में संपन्न विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की तीसरी बैठक में यह जानकारी दी गई।

बैठक में चर्चा के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के अकादमिक संचालन के लिये जरुरी अधोसंरचना के निर्माण का काम अविलंब शुरु करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विवि की स्थापना के उद्देश्यों को देखते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय स्वरुप दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति, ज्ञान और बौद्ध दर्शन के एकीकृत अध्ययन का बड़ा अकादमिक केन्द्र बनेगा।

बैठक में मुख्यमंत्री चौहान ने विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रगति और अन्य गतिविधियों के मूल्यांकन और समीक्षा के लिये उच्च स्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि अन्य देशों के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना संबंधी नीति तैयार कर ली गई है।

चीनी भाषा का डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2017-18 से प्रारंभ हुआ है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि दिसम्बर माह के दूसरे सप्ताह में शाक्य तंत्र विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। बैठक में संस्कृति राज्यमंत्री सुरेन्द्र पटवा, मुख्य सचिव बीपी सिंह, अपर मुख्य सचिव संस्कृति मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री अशोक बर्णवाल और एसके मिश्रा के अलावा सांची बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.यज्ञेश्वर एस. शास्त्री एवं साधारण परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

पत्रिका . रविवार, 22 जुलाई, 2018

सांची विश्वविद्यालय को मिलेंगे 10 करोड़

साधारण परिषद की बैठक में कर्मचारियों को पेंशन एवं उपादान को भी मिली मंजूरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की साधरण परिषद की बैठक में विश्वविद्यालय से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर निर्माण के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय की संचित निधि के लिए 10 करोड़ रुपए उपलब्ध कराने का भी फैसला किया। विभिन्न देशों के अध्ययन केन्द्र के लिए विश्वविद्यालय को आवंटित भूमि से लगी अतिरिक्त 20 एकड़ भूमि भी उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। साधारण परिषद ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए पेंशन एवं उपादान सुविधा देने का भी निर्णय लिया। विवि के गैर अकादमिक सेवकों के लिए सातवें वेतनमान को भी मंजूरी दी गई। बैठक में संस्कृति राज्य मंत्री सुरेंद्र पटवा के अलावा मुख्य सचिव बीपी सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव, विवि के कुलपति आचार्य प्रो यजनेश्वर शास्त्री सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

mediacore.in/article/47081

Breaking News

मीडिया कोर

Home | प्रदेश | देश | विदेश | सेहत | मनोरंजन | खेल | बिजनेस | कवर स्टोरी | तकनीक | छत्तीसगढ़

सांची बौद्ध विवि परिसर में स्थापित होंगे अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र

By Mediacor :21-07-2018 09:52

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के निर्मित होने वाले परिसर में अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र की भी स्थापना की जायेगी। प्रारंभिक रूप से श्रीलंका और वियतनाम ने अपने-अपने देशों के अध्ययन केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री निवास पर विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की तीसरी बैठक में यह जानकारी दी गई।

श्री चौहान ने बैठक में चर्चा के दौरान विश्वविद्यालय के अकादमिक संचालन के लिये जरूरी अधोसंरचना के निर्माण का काम अविलंब शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना के उददेश्यों को देखते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप दिया जायेगा। श्री चौहान ने कहा कि यह विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति, ज्ञान और बौद्ध दर्शन के एकीकृत अध्ययन का बड़ा अकादमिक केन्द्र बनेगा। श्री चौहान ने विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रगति और अन्य गतिविधियों के मूल्यांकन और समीक्षा के लिये उच्च स्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिये।

बैठक में बताया गया कि अन्य देशों के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना संबंधी नीति तैयार कर ली गई है। चीनी भाषा का डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2017-18 से प्रारंभ हुआ है। बैठक में निर्णय लिया गया है कि दिसम्बर माह के दूसरे सप्ताह में शाक्य तंत्र विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।

बैठक में संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सुरेन्द्र पटवा, मुख्य सचिव श्री बी.पी.सिंह, अपर मुख्य सचिव संस्कृति श्री मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री अशोक बर्णवाल और श्री एस.के.मिश्रा, सांची बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर यज्ञेश्वर एस. शास्त्री एवं साधारण परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा सांची बौद्ध विवि, विकास के लिए 10 करोड़ खर्च करेगी सरकार

सीएम ने कहा- परिसर में श्रीलंका-वियतनाम समेत अन्य देशों के अध्ययन केंद्र भी रहेंगे

DainikBhaskar.com | Last Modified - Jul 21, 2018, 12:35 PM IST

भोपाल. सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा। इसमें श्रीलंका और वियतनाम समेत अन्य देशों के अध्ययन केंद्र भी होंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को विवि की साधारण परिषद की तीसरी बैठक ली। इसमें बताया गया है कि प्रारंभिक रूप से श्रीलंका और वियतनाम ने अध्ययन केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव दे दिया।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि विवि के अकादमिक संचालन के लिए जरूरी अधोसंरचना के निर्माण का काम जल्द शुरू किया जाए। यह विवि भारतीय संस्कृति, ज्ञान और बौद्ध दर्शन के एकीकृत अध्ययन का बड़ा केंद्र बनेगा। अकादमिक प्रगति और अन्य गतिविधियों के मूल्यांकन और समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए। बैठक में संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सुरेंद्र पटवा व विवि के कुलपति प्रोफेसर यज्ञेश्वर एस. शास्त्री एवं साधारण परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

सांची विश्वविद्यालय को 10 करोड़ की संचित निधि देगी सरकार :शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक में विश्वविद्यालय परिसर निर्माण हेतु आवश्यक राशि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय की संचित निधि के लिए 10 करोड़ रुपए उपलब्ध कराने का भी फैसला किया।

कर्मचारियों को पेंशन एवं उपादान को भी मंजूरी : सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की साधरण परिषद की मुख्यमंत्री निवास में हुई बैठक में विश्वविद्यालय से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। विभिन्न देशों के अध्ययन केन्द्र हेतु विश्वविद्यालय को आवंटित भूमि से लगी अतिरिक्त 20 एकड़ भूमि भी उपलब्ध कराने पर बैठक में सहमति बनी। साधारण परिषद ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए पेंशन एवं उपादान सुविधा देने का भी निर्णय लिया। विवि के गैर अकादमिक सेवकों के लिए सातवें वेतनमान को भी मंजूरी दी गई।

Secure | https://www.bhaskar.com/mp/raisen/news/latest-raisen-news-045003-2260137.html

Section DainikBhaskar.com

राज्य | मध्य प्रदेश | दिल्ली | राजस्थान | छत्तीसगढ़ | हिमाचल | पंजाब | हरियाणा

Hindi News » Madhya Pradesh » Raisen » सांची बौद्ध विवि परिसर में स्थापित होंगे अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र

सांची बौद्ध विवि परिसर में स्थापित होंगे अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र

भोपाल/ रायसेन | सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के निर्मित होने वाले परिसर में अन्य देशों के अध्ययन...

Bhaskar News Network | Last Modified - Jul 22, 2018, 04:50 AM IST

भोपाल/ रायसेन | सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के निर्मित होने वाले परिसर में अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र की भी स्थापना की जाएगी। प्रारंभिक रूप से श्रीलंका और वियतनाम ने अपने-अपने देशों के अध्ययन केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास पर विवि की साधारण परिषद की तीसरी बैठक में यह जानकारी दी गई।

श्री चौहान ने बैठक में चर्चा के दौरान विवि के अकादमिक संचालन के लिए जरूरी अधोसंरचना के निर्माण का काम अविलंब शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विवि की स्थापना के उद्देश्यों को देखते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप दिया जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि यह विवि भारतीय संस्कृति, ज्ञान और बौद्ध दर्शन के एकीकृत अध्ययन का बड़ा अकादमिक केन्द्र बनेगा। श्री चौहान ने विवि की अकादमिक प्रगति और अन्य गतिविधियों के मूल्यांकन और समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि अन्य देशों के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना संबंधी नीति तैयार कर ली गई है। बैठक में निर्णय लिया गया है कि दिसम्बर के दूसरे सप्ताह में शाक्य तंत्र विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। बैठक में संस्कृति राज्यमंत्री सुरेन्द्र पटवा, मुख्य सचिव बीपीसिंह, अपर मुख्य सचिव संस्कृति मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री अशोक बर्णवाल और विवि के कुलपति व प्रोफेसर उपस्थित थे।

रायसेन भास्कर

भोपाल, रविवार 22 जुलाई, 2018 आषाढ़ शुक्ल पक्ष-10, 2075

सांची बौद्ध विवि परिसर में स्थापित होंगे अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र

भोपाल/ रायसेन | सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के निर्मित होने वाले परिसर में अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र की भी स्थापना की जाएगी। प्रारंभिक रूप से श्रीलंका और वियतनाम ने अपने-अपने देशों के अध्ययन केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास पर विवि की साधारण परिषद की तीसरी बैठक में यह जानकारी दी गई।

श्री चौहान ने बैठक में चर्चा के दौरान विवि के अकादमिक संचालन के लिए जरूरी अधोसंरचना के निर्माण का काम अविलंब शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विवि की स्थापना के उद्देश्यों को देखते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप दिया जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि यह विवि भारतीय संस्कृति, ज्ञान और बौद्ध दर्शन के एकीकृत अध्ययन का बड़ा अकादमिक केन्द्र बनेगा। श्री चौहान ने विवि की अकादमिक प्रगति और अन्य गतिविधियों के मूल्यांकन और समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि अन्य देशों के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना संबंधी नीति तैयार कर ली गई है। बैठक में निर्णय लिया गया है कि दिसम्बर के दूसरे सप्ताह में शाक्य तंत्र विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। बैठक में संस्कृति राज्यमंत्री सुरेन्द्र पटवा, मुख्य सचिव बीपीसिंह, अपर मुख्य सचिव संस्कृति मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री अशोक बर्णवाल और विवि के कुलपति व प्रोफेसर उपस्थित थे।

Secure | https://bebakshakti.com/16432/

बेबाक शक्ति
सारा सच बेबाकी से

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित होंगे अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र

Posted by: Akhilesh Sharma July 22, 2018 40 Views

मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में साधारण परिषद की बैठक सम्पन्न, श्रीलंका, वियतनाम देशों ने दिये प्रस्ताव

शहडोल | सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के निर्मित होने वाले परिसर में अन्य देशों के अध्ययन केन्द्र की भी स्थापना की जायेगी। प्रारंभिक रूप से श्रीलंका और वियतनाम ने अपने-अपने देशों के अध्ययन केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में गत दिवस मुख्यमंत्री निवास पर विश्वविद्यालय की साधारण परिषद की तीसरी बैठक में यह जानकारी दी गई।

श्री चौहान ने बैठक में चर्चा के दौरान विश्वविद्यालय के अकादमिक संचालन के लिये जरूरी अधोसंरचना के निर्माण का काम अविलंब शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना के उददेश्यों को देखते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप दिया जायेगा। श्री चौहान ने कहा कि यह विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति, ज्ञान और बौद्ध दर्शन के एकीकृत अध्ययन का बड़ा अकादमिक केन्द्र बनेगा। श्री चौहान ने विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रगति और अन्य गतिविधियों के मूल्यांकन और समीक्षा के लिये उच्च स्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिये।

बैठक में बताया गया कि अन्य देशों के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना संबंधी नीति तैयार कर ली गई है। चीनी भाषा का डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2017-18 से प्रारंभ हुआ है। बैठक में निर्णय लिया गया है कि दिसम्बर माह के दूसरे सप्ताह में शाक्य तंत्र विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।

बैठक में संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सुरेन्द्र पटवा, मुख्य सचिव श्री बी.पी.सिंह, अपर मुख्य सचिव संस्कृति श्री मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री अशोक बर्णवाल और श्री एस.के.मिश्रा, सांची बौद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर यज्ञेश्वर एस. शास्त्री एवं साधारण परिषद के सदस्य उपस्थित थे।